

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभागा, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून, दिनांक 25 अगस्त, 2005

विषय:-

बाढ़ सुरक्षा कार्य की वर्ष 2005-06 में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि
“जनपद रुद्रप्रयाग में श्री केदार नाथ मन्दिर व श्री शंकराचार्य समाधि की बाढ़ सुरक्षा योजना” लागत रु0 179.52 लाख के आगणन की टी0ए0सी0 के द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु0 178.00 लाख, (रुपये एक करोड़ अठहत्तर लाख मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- 1- उक्त बाढ़ योजना पर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व योजना के आगणन पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- 2- उक्त कार्य के निष्पादन में वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स, टेण्डर विषयक नियम, मितव्ययता के सम्बन्ध में आदेश एवं शासन द्वारा इस विषय में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का पालन किया जाय।
- 3- स्वीकृत की जा रही बाढ़ योजना का कार्य समयवद्ध रूप से पूर्ण किया जाय।
- 4- कार्य की गुणवत्ता एवं समयवद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- आगणन में उल्लिखित दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित की जाय एवं जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित करायी जाय।
- 6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ नहीं किया जायेगा।
- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- एकमुस्त प्राविधान पर कार्य करने से पूर्व निस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।

- 9- कार्य करने से पूर्व तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर एवं सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भान्ति निरीक्षण उच्चाधिकारियों से अवश्य करा ले निरीक्षण के पश्चात स्थलीय आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री प्रयोग में लेने से पूर्व किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग कराकर उपयुक्त पायी जाने पर ही सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 12- इस शासनादेश के द्वारा किसी धनराशि के व्यय की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। योजना के लिए धनावंटन मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के निर्वतन पर रखी गयी धनराशि में से किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के आशासकीय पत्र संख्या 1150/वि0अनु0-03 /2005 दिनांक 20 अगस्त, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

2765
संख्या:- / 11-2005-04(59)/03तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-3
- 3- कोषाधिकारी/जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
- 4- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, सिंचाई एवं ऊर्जा, उत्तरांचल।
- 5- नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 6- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल।
- 8- गार्ड फाईल।


(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव